an>

Title: Need to check the wrong depiction of historical facts associated with Maharani Padmini, the queen of Chittor in films.

श्री हरिओम सिंह राठौड़ (राजसमन्द) ः पिछले दिनों फिल्म पदमावती के फिल्मांकन का जयपुर में विरोध हुआ था और फिल्म निर्माता शूटिंग रद्द कर मुम्बई लौट गए। क्या कुछ ज्ञानीजन, क्या कुछ मीडिया, क्या कुछ फिल्मी अभिनेता और निर्देशक सभी ने एक स्वर से अभिव्यक्ति की आज़ादी का सुर छेड़ दिया। फिल्म का विरोध करने वालों की एक ही स्वर में भर्त्सना होने लगी और राज्य सरकार को कानून-व्यवस्था के नाम पर कठघरे में खड़ा कर दिया।

किसी ने यह नहीं कहा कि फिल्म निर्माण में भारत के महानायकों का अपमान करने का दुस्साहस कैसे किया गया? महारानी पदमनी का जौहर भारतीय इतिहास की अमरगाथा और गौरवशाली अध्याय है। उन महारानी पदमनी का क्रूर विदेशी हमलावर अलाउद्दीन खिलजी के साथ प्रेम प्रसंग दिखाना देश की गरिमा, स्वाभिमान पर हमला है और इतिहास के तथ्यों से परे हैं। सच तो यह है कि महारानी का प्रतिबिम्ब भी खिलजी को नहीं दिखाया गया था।

पूर्व में ही महाराणा प्रताप के जीवन को फिल्मी अंदाज में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया था तब मैंने उसका विरोध किया था। आज पुनः महारानी पदमावती के जीवन तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है। मैं इसका विरोध करता हूं और सरकार से अनुरोध करता हूं कि ऐसा करने वाले को रोका जाए।